

Padma Shri



DR. PREMA DHANRAJ

Dr. Prema Dhanraj is the Founder and Director of Agni Raksha, a non-profit organization providing Holistic Rehabilitation for Burn survivors from poor families, especially women and children. Agni Raksha also aims to support the socio-economic development of marginalized communities through skill training and income-generating programs.

2. Born on 30 June, 1950, Dr. Prema received her Bachelor of Science from Bangalore University in 1974; MBBS Degree from Karnataka University Hubli in 1980; Master in Surgery from Madras University in 1986 and Master in Chirurgery Plastic Surgery from Punjab University in 1988. The other fellowship titles of PDFBR, CTBS, FACS, FRCS-Glasgow, FIMSA and DD were conferred at later dates. She worked at CMC Vellore from 1980-2010 in various capacities and in the year 1998, she became the Head of the Department of Plastic Surgery. During her stay at Vellore, she started the M.Ch, Plastic Surgery training program for students from India, Ethiopia, and Kenya. She designed and built a burn unit at CMC Vellore and also involved in building Haukeland guest house for overseas students.

3. Dr. Prema performed over one and a half major and minor surgeries in India. During her many overseas assignments in the US, Norway, Ethiopia, UK, Kenya and Australia, she performed many more surgeries. She was actively involved in research for higher standards of care, besides spreading awareness education in and around Vellore and Bangalore about preventing burn injuries. She is known as a very successful surgeon in the medical fraternity. Besides teaching, she has been constantly engaged in research studies on 45 different topics. She has presented 80 papers in scientific conferences. Her 120 articles have been published in various National and International journals. She has authored 5 books and contributed 8 chapters to textbooks.

4. Dr. Prema has served on several National and International committees. After she retired from CMC Vellore, she worked in Rajarajeshwari Medical College and Hospital, Bangalore from 2010 to 2021 (11 years) and started the Plastic Surgery Department and M.Ch training program.

5. Dr. Prema founded Agni Raksha in memory of her parents in 1999 in Bangalore to treat burn patients. She designed and implemented women empowerment through holistic rehabilitation, which serves as the ray of hope for burn survivors. The centre provides other meaningful services such as skill training, job placement, self-help group, home-based care for dressing, Physiotherapy, and Counselling. Reintegrating children with burns back to school, and a drop-in centre for burns less than 15% has made it one of its kind in the world.

6. Dr. Prema is the recipient of numerous awards and honours. She has been conferred honorary degree by several universities abroad. Noteworthy among them is Swastha Bharat Samman in 2013 from the Government of India. In 2001, the South Asian Chamber of Commerce USA honoured her with the Community Service Award for her exemplary service. She was the very first Indian to receive an Award from The Plastic Surgery Education Foundation in 1998. In 2008, she received India Modern Medicare Excellence Award and Iron Lady Aval Award (Chennai) in 2018. She also received the Achievers Award in the year 2018.

पद्म श्री



डॉ. प्रेमा धनराज

डॉ. प्रेमा धनराज एक गैर-लाभकारी संगठन अग्नि रक्षा की संस्थापक और निदेशक हैं। यह संगठन जलने से बचे गरीब परिवारों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों का समग्र पुनर्वास करता है। अग्नि रक्षा का उद्देश्य कौशल प्रशिक्षण और आय-सृजन कार्यक्रमों के माध्यम से पिछड़े समुदायों के सामाजिक-आर्थिक विकास में सहयोग करना भी है।

2. 30 जून 1950 को जन्मी, डॉ. प्रेमा ने 1974 में बेंगलूर विश्वविद्यालय से विज्ञान स्नातक की उपाधि प्राप्त की; 1980 में कर्नाटक विश्वविद्यालय, हुबली से एमबीबीएस की डिग्री; 1986 में मद्रास विश्वविद्यालय से सर्जरी में मास्टर और 1988 में पंजाब विश्वविद्यालय से चिरर्जरी प्लास्टिक सर्जरी में मास्टर की डिग्री प्राप्त की। उन्हें बाद में पीडीएफबीआर, सीटीबीएस, एफएसीएस, एफआरसीएस-ग्लासगो, एफआईएमएसए और डीडी की अन्य फेलोशिप डिग्रियां प्रदान की गईं। उन्होंने 1980-2010 तक सीएमसी वेल्लोर में विभिन्न पदों पर काम किया और वर्ष 1998 में वह प्लास्टिक सर्जरी विभाग की प्रमुख बन गईं। वेल्लोर में अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने भारत, इथियोपिया और केन्या के छात्रों के लिए एम.सी.एच, प्लास्टिक सर्जरी प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया। उन्होंने सीएमसी वेल्लोर में एक बर्न यूनिट का डिजाइन और निर्माण किया और विदेशी छात्रों के लिए हॉकलैंड गेस्ट हाउस के निर्माण में भी शामिल रहीं।

3. डॉ. प्रेमा ने भारत में डेढ़ लाख से अधिक बड़ी और छोटी सर्जरी कीं। अमेरिका, नॉर्वे, इथियोपिया, यूके, केन्या और ऑस्ट्रेलिया में अपने अनेक कार्यकाल के दौरान, उन्होंने बहुत सारी सर्जरी कीं। वह जलने से होने वाली चोटों को रोकने के बारे में, वेल्लोर और बेंगलूर और उसके आसपास जागरूकता शिक्षा फैलाने के अलावा, उच्च स्तरीय देखभालवाले अनुसंधान में सक्रिय रूप से शामिल थीं। वह चिकित्सा जगत में एक बेहद सफल सर्जन मानी जाती हैं। अध्यापन के अलावा, वह लगातार 45 अलग-अलग विषयों पर शोध अध्ययन में लगी हुई हैं। उन्होंने वैज्ञानिक सम्मेलनों में 80 शोधपत्र प्रस्तुत किए हैं। उनके 120 लेख विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं। उन्होंने 5 पुस्तकें लिखी हैं और पाठ्यपुस्तकों में उनके 8 अध्याय शामिल किए गए हैं।

4. डॉ. प्रेमा ने कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय समितियों में कार्य किया है। सीएमसी वेल्लोर से सेवानिवृत्त होने के बाद, उन्होंने 2010 से 2021 (11 वर्ष) तक राजराजेश्वरी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, बेंगलूर में काम किया और प्लास्टिक सर्जरी विभाग और एम.सी.एच प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया।

5. डॉ. प्रेमा ने 1999 में बेंगलूरु में अपने माता-पिता की स्मृति में जले हुए मरीजों के इलाज के लिए अग्नि रक्षा की स्थापना की। उन्होंने समग्र पुनर्वास के माध्यम से महिला सशक्तीकरण कार्य डिजाइन और कार्यान्वित किया, जो जलने से बचे लोगों के लिए आशा की किरण के रूप में कार्य करता है। केंद्र अन्य सार्थक सेवाएं जैसे कौशल प्रशिक्षण, नौकरी प्लेसमेंट, स्वयं सहायता समूह, ड्रेसिंग के लिए घर पर देखभाल, फिजियोथेरेपी और परामर्श प्रदान करता है। जले हुए बच्चों को फिर से स्कूल में प्रवेश दिलाना और 15% से कम जले बच्चों के लिए ड्रॉप-इन सेंटर दुनिया में अपनी तरह का अनूठा है।

6. डॉ. प्रेमा कई पुरस्कार और सम्मान प्राप्तकर्ता हैं। उन्हें कई विदेशी विश्वविद्यालयों द्वारा मानद उपाधि से सम्मानित किया गया है। भारत सरकार की ओर से 2013 में मिला स्वस्थ भारत सम्मान इनमें उल्लेखनीय है। 2001 में, साउथ एशियन चैंबर ऑफ कॉमर्स यूएसए ने उन्हें उनकी आसाधारण सेवा के लिए सामुदायिक सेवा पुरस्कार से सम्मानित किया। वह 1998 में प्लास्टिक सर्जरी एजुकेशन फाउंडेशन से पुरस्कार पाने वाली पहली भारतीय थीं। 2008 में, उन्हें इंडिया मॉडर्न मेडिकेयर एक्सीलेंस अवार्ड और 2018 में आयरन लेडी एवल अवार्ड (चेन्नै) प्रदान किया गया। उन्हें वर्ष 2018 में अचीवर्स अवार्ड भी प्राप्त हुआ।